

19.2.26

अभिज्ञान परकाश उपा.। उत्पत्ती क्रं. 01/902
के अधिनियम। श्री इयादुषण विजय जी का
संबन्ध प्रमाण होने से कबल हेतु
कबल चाहता एक मात्र कबल
प्रकार कथारिपत ने प्रदान किया
जता श्री परावली बाबते कबल कपीत
दि. 16.3.26 को पैसा हो।

अपर जिला न्यायाधीश
क्रम संख्या 2, कुन्दी (राज०)

16.3.26

अभिज्ञान परकाश उपा.। कपीत/अ। ने
एक उपा. पर उत्पत्ती क्रं 02
क्रात० 931 ल का काल विनिमित्त
करने हेतु पैसा किया। कबल
अभिज्ञान। उत्पत्ती का विचार
करे। उपा. पैसा कबल चाहता
कबल किया। जता। परावली
बाबते कबल कपीत/उपा.क
उपा. पर दि 02/4/26 को पैसा
हो।

अपर जिला न्यायाधीश
क्रम संख्या 2, कुन्दी (राज०)

02/4/26

अभिज्ञान परकाश उपा.। उपा.क उत्पत्ती
हेतु कबल चाहता। न्यायिक ने
एक मात्र कबल किया जता
परावली बाबते कबल उपा. पर
उपा. पर दि. 02/4/26
को पैसा हो।

अपर जिला न्यायाधीश
क्रम संख्या 2, कुन्दी (राज०)